लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

PARLIAMENTARIANS PAY FLORAL TRIBUTES TO SHRI SOMNATH CHATTERJEE/संसद सदस्यों ने श्री सोमनाथ चटर्जी को पुष्पांजलि अर्पित की

New Delhi, 25 July 2022: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla; Union Minister of Parliamentary Affairs; Coal; and Mines Shri Pralhad Joshi; Deputy Chairman Rajya Sabha Shri Harivansh; Members of Parliament; former Members of Parliament and other dignitaries paid floral tributes at the portrait of Shri Somnath Chatterjee in Parliament House on his birth anniversary today.

The Secretaries-General of Lok Sabha and Rajya Sabha Shri Utpal Kumar Singh and Shri P.C. Mody, respectively and officers of Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariats also paid floral tributes.

Shri Chatterjee was a multifaceted personality with varied interests that ranged from education and sports to constitutional studies. He was a people's man in every sense of the term. He combined an unwavering commitment to the basic principles and values of India's democracy with a rare ability to transcend political divides.

A Member of the Lok Sabha since 1971, Shri Somnath Chatterjee has been a role model for Parliamentarians. A highly accomplished lawyer, a trade unionist, an articulate and effective Parliamentarian, a leader of stature, and later the Speaker of the world's largest democracy, he inspired believers in democracy across the world. Throughout his public life, he had been infusing a sense of respect among the people in the institutions of democracy and thereby sustaining the people's faith in them. Shri Chatterjee remained Lok Sabha Speaker from 04 June 2004 to 31 May 2009.

नई दिल्ली, 25 जुलाई 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ; संसदीय कार्य; कोयला; और खान मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ; उप सभापति, राज्य सभा श्री हरिवंश ;

संसद सदस्य; पूर्व संसद सदस्य तथा अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों ने आज संसद भवन में श्री सोमनाथ चटर्जी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

लोक सभा और राज्य सभा के महासचिव क्रमशः श्री उत्पल कुमार सिंह और श्री पी.सी. मोदी एवं लोक सभा और राज्य सभा सचिवालयों के अधिकारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

श्री चटर्जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था और शिक्षा तथा खेलकूद से लेकर राष्ट्रीय राजनीति में भी उनकी रूचि थी । वह हर अर्थ में आम जनता से जुड़े हुए व्यक्ति थे। उन्होंने राजनीति से ऊपर उठकर भारत के लोकतंत्र के सिद्धांतों एवं मूल्यों के प्रति अडिग प्रतिबद्धता दर्शाई।

वर्ष 1971 में लोकसभा के सदस्य बने श्री सोमनाथ चटर्जी सभी सांसदों के लिए अनुकरणीय थे। एक कुशल अधिवक्ता , ट्रेड यूनियन के नेता , मुखर और प्रभावी सांसद, एक कद्दावर नेता और बाद में विश्व के सबसे बड़े लोक तंत्र के संसद के लोकसभा अध्यक्ष श्री चटर्जी ने लोकतंत्र में विश्वास करने वाले विश्व के समर्थकों को प्रोत्साहित किया। अपने सार्वजनिक जीवन के दौरान उनका सतत प्रयास रहा कि वे जनता के मन में लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान की भावना जागृत करें और इन संस्थाओं में जनता का विश्वास बनाए रखें। श्री चटर्जी 4 जून 2004 से 31 मई 2009 तक लोकसभा अध्यक्ष रहे।